S-343

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-506

सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन-02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. पितृमान का विवेचन करते हुए इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

2. सौर मान का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. सावन मान का वर्णन करते हुए इसके उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

4. दिन-रात्रि के कारणों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. क्षयमास के कारणों एवं इसके सम्भाव्यता पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. अहर्गण साधन की विधि लिखिए।

2. उदाहरणपूर्वक मध्यम ग्रह का आशय स्पष्ट कीजिए।

3. मन्दफल साधन विधि एवं उपयोगिता को बताइए।

4. शीघ्रफल साधन विधि एवं उपयोगिता को बताइए।

5. उदयान्तर से क्या तात्पर्य है? इसके अनुप्रयोग का वर्णन कीजिए।

6. भुजान्तर संस्कार का वर्णन कीजिए।

7. क्रान्ति की परिभाषा देते हुए स्पष्ट क्रान्ति साधन विधि को लिखिए।

8. स्पष्ट ग्रहसाधन के विविध अवयवों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।